दैनिक जागरण 10/11/2024

धातु कर्म तकनीक पर विद्यार्थियों को किया जागरूक

जासं ● अंबाला गांधी मेमोरियल नेशनल (जीएमएन) कालेज के रसायन विभाग और आइकेएस सैल द्वारा आज प्राचीन भारतीय धातु कर्म तकनीक के विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य भारतीय संस्कृति में धातु कर्म विज्ञान के योगदान और इसकी प्राचीन तकनीक को छात्रों और शिक्षकों के बीच प्रसारित करना था।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डा. सतीश कुमार एसोसिएट प्रोफेसर रसायन विभाग आइआइएच एस (केयूके) ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने प्राचीन भारतीय धातु कर्म की तकनीक पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार भारतीय संस्कृति में धातुओं की खोज, परिष्करण और अनुप्रयोग का वैज्ञानिक दृष्टिकोण सदियों से विकसित हुआ है। उन्होंने लोहे, तांबे कांसे और अन्य धातुओं के शोध और उनके प्राचीन उपयोगों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने छात्रों को प्राचीन तकनीक के पीछे के वैज्ञानिक तथ्यों को समझने और उनसे प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इस मौके पर डा. नेहा अग्रवाल, डा. अंशु चौधरी, डा. अनीश, डा. सीमा कंसल, डा. सीपी पूनिया, डा. जसवीर कौर, प्रियंका बल्दिया मौजूद रहे। इसी तरह कालेज में सीआरसी यूनिट एवं कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग के सहयोग से एक्सपोर्ट साफ्ट के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने एक्सपोर्टसाफ्ट के डायरेक्टर सुनील ओरी के साथ एक समझौता ज्ञापन (एम ओ यू) पर हस्ताक्षर किए जो एक सीआरसी पहल है। इसके अलावा कालेज में संस्कृत विभाग, कंप्यूटर साइंस, भाषा क्लब और आइकेएस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में पाणिनि पर आधारित भाषा-व्याकरण पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।